उत्तराखंड में भूमि पंजीकरण कागज़ रहित होगा

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड सरकार पूरे राज्य में **भूमि पंजीकरण के लिये कागज़ रहित प्रणाली** लागू करने की तैयारी में है।

प्रमुख बिंदु

- **स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग ने** इस पहल के लिये एक आधारभूत रूपरेखा तैयार की है।
- राज्य के वित्तमंत्री **प्रेमचंद अग्रवाल ने** घोषणा की कि **"उत्तराखंड ऑनलाइन दस्तावेज़ पंजीकरण नियमावली 2025"** को आगामी कैबिनेट बैठक में अनुमोदन के लिये प्रस्तुत किया जाएगा।
- कैबिनेट की सहमति मिलने पर इस प्रणाली को औपचारिक रूप से लागू कर दिया जाएगा।
- **भूमि पंजीकरण का डिजिटल रूपांतरण:**
  - **नई प्रणाली का उद्देश्य कागज़ रहित पंजीकरण, आधार प्रमाणीकरण** और **आभासी पंजीकरण प्रक्रियाओं को** शुरू करके पंजीकरण प्रक्रिया को बढ़ाना है।
  - **संपत्ति लेनदेन** में शामिल पक्षों के पास **उप-पंजीयक कार्यालय में** व्यक्तिगत रूप से जाने या **वीडियो केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें)** के माध्यम से **दस्तावेज़ सत्यापन पूरा करने का** विकल्प होगा।
  - **उप-रजिस्ट्रार डिजिटल हस्ताक्षर** का उपयोग करके प्रक्रिया को अंतिम रूप देंगे और पक्षों को **व्हाट्सएप** और **ईमेल के माध्यम से तुरंत सूचित करेंगे।**
- **महत्त्व:**
  - भूमि लेनदेन प्रक्रिया के साथ **आधार प्रमाणीकरण को एकीकृत करने से सार्वजनिक सुविधा में सुधार और पारदर्शिता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।**
  - इस कदम का उद्देश्य पंजीकरण प्रक्रिया में **धोखाधड़ी की गतिविधियों पर अंकुश लगाना** है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिये प्रतिबद्ध है कि भूमि खरीद और बिक्री प्रक्रिया पारदर्शी और कुशल हो।

आधार:

- **आधार** एक **12 अंकों की व्यक्तिगत पहचान** संख्या है जिसे भारत सरकार की ओर से **भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा जारी किया जाता है। यह संख्या** भारत में कहीं भी **पहचान और पते के प्रमाण के रूप में काम आती है।**
  - **आधार संख्या** प्रत्येक व्यक्ति के लिये अद्वितीय है और जीवन भर मान्य है।
  - आधार संख्या निवासियों को **बैंकिंग, मोबाइल फोन कनेक्शन** और अन्य **सरकारी** एवं **गैर-सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने** में मदद करेगी।
  - **जनसांख्यिकीय** और **बायोमेट्रिक जानकारी** के आधार पर व्यक्तियों की पहचान स्थापित करता है।
  - यह एक स्वैच्छिक सेवा है, जिसका लाभ प्रत्येक निवासी वर्तमान दस्तावेज़ो के बावजूद उठा सकता **है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/and-registration-will-be-paperless-in-uttarakhand